प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2 (2021–22)

हिन्दी – अ (कोड – 002)

कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

स्वच्छ विचार करने से प्रत्येक परिस्थिति में विचार की ऊर्जा का क्रमशः जागरण होता है और जब विचार जागता है तो जीवन में एक नया क्षेत्र उपलब्ध हो जाता है यही वह तीसरा नेत्र है जो हमारे दो चर्म चक्षुओं की भाँति साधारण नहीं वरन् किसी भी वस्तु समस्या और उसके आरपार देखने की दूरदृष्टि रखता है, जो विचार रूपी नेत्र को उपलब्ध नहीं कर पाते वे जीवन का काम दो चर्म नेत्रों से चलाते जाते हैं। इस तीसरे आंतरिक नेत्र के अभाव में ऐसे लोगों को जीवन में जो शुभ है उसके दर्शन नहीं हो पाते, उनका जीवन यांत्रिक रूप से चलता है जिसका न तो कोई लक्ष्य होता है और न ही कोई उद्देश्य किंतु जिसको विचाररूपी नेत्र उपलब्ध हो गया है और विवेक की ज्योति मिल गई है उसका आचार अपने आप उसका अनुचर बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में वह कर्त्तव्य मार्ग से भटकता नहीं है। इस विवेकदर्शी मनुष्य की सदाचार के सिवा कोई गति नहीं रहती विचारशक्ति के समक्ष विकल्प नहीं होते उसके पास तो मात्र शुभ ही रह जाता है।

i. विभिन्न परिस्थितियों में विचार–ऊर्जा किस प्रकार जागृत होती है?
(क) तीसरे नेत्र के खुलने से
(ख) मनुष्य के विचार करने से
(ग) मनुष्य की विवेक शक्ति से
(घ) सद्विचारों का अनुसरण करने से

ii. विचाररूपी नेत्र को असाधारण मानने का कारण यह है कि–
(क) इससे जीवन में शुभ के दर्शन होते हैं
(ख) यह चर्म–चक्षुओं की भाँति साधारण नहीं होता
(ग) इससे किसी समस्या के आर–पार देखने की दूरदृष्टि प्राप्त होती है
(घ) इसकी प्राप्ति से मानव जीवन उद्देश्यपूर्ण बन जाता है

iii. विचारशून्य मानव के जीवन को यंत्रवत जीवन इसलिए कहा जाता है, क्योंकि–
(क) उसके पास तीसरे नेत्र का अभाव होता है
(ख) वह किसी वस्तु के आरपार देखने में असमर्थ होता है
(ग) वह जीवन में शुभ के दर्शन से वंचित रहता है
(घ) वह उद्देश्यहीन जीवन यापन करता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. आचार किसका अनुचर बन जाता है?

(क) विचारवान मनुष्य का

(ख) असाधारण मानव का

(ग) सोद्देश्य जीवन का

(घ) शुभदर्शी व्यक्ति का

v. विवेकदर्शी के पास मात्र शुभ ही रहता है, क्योंकि–

(क) उसके समक्ष संकल्प नहीं होता

(ख) उसके समक्ष विकल्प नहीं होता

(ग) आचार उसका अनुचर होता है

(घ) कर्त्तव्य उसका सहचर होता है

अथवा

समाज को यदि एक वृक्ष मान लिया जाए तो अर्थनीति उसकी जड़ है, राजनीति आधार है, विज्ञान आदि उसके तने हैं और संस्कृति उसके फूल। इसलिए नए समाज की अर्थनीति या राजनीति आदि पर ही हमें ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि उसकी संस्कृति की ओर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए क्योंकि मूल और तने की सार्थकता तो उसके फूल में ही है। दूसरे इन तीनों का संबंध इतना गहरा है कि आन इन्हें अलग–अलग कर भी नहीं सकते। नई अर्थनीति और राजनीति के साथ एक नई संस्कृति का विकास हमारी आँखों के सामने हो रहा है भले ही हम उसे देख न पाएँ या उसकी ओर से आँखें मूँद लें। अन्य क्षेत्रों में हमारी पंचवर्षीय योजनाएँ आ रही है किंतु क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है कि संस्कृति के विकास में प्रगति देने के लिए एक भी व्यापक योजना हमारे सामने नहीं आ रही। जब राजनीति और अर्थशास्त्र दूसरी बड़ी–बड़ी योजनाओं में लगे हैं ओ कलाकारो! चलो हम अपनी परिमित शक्ति से इस क्षेत्र में कुछ काम कर दिखाएँ। आखिर यह क्षेत्र भी तो हमारा ही है। गुलाब की खेती के माली तो हम ही हैं। फूलों के संसार के भौंरे तो हम ही हैं। हम नहीं करेंगे, तो करेगा कौन?

i. समाज, राजनीति, अर्थनीति, विज्ञान और संस्कृति क्रमशः प्रतीक हैं–

(क) वृक्ष मूल, आधार, फूल और तने के

(ख) वृक्ष, आधार, जड़, तने और फूल के

(ग) फूल, वृक्ष, मूल, आधार और तने के

(घ) जड़, आधार, फूल, वृक्ष और तने के

ii. हमारा विकास अधूरा क्यों है?

(क) सांस्कृतिक उत्थान नहीं होने के कारण

(ख) राजनैतिक उन्नति नहीं होने के कारण

(ग) भौतिक विकास न होने के कारण

(घ) आध्यात्मिक विकास न होने के कारण

iii. 'गुलाब की खेती' से लेखक का क्या आशय है?

(क) सांस्कृतिक अभ्युत्थान

(ख) औद्योगिक विकास

(ग) सौंदर्य का विकास

(घ) सुंदर उद्यानों का विनिर्माण

iv. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा?

(क) समाजः एक वृक्ष

(ख) पंचवर्षीय योजनाएँ और सांस्कृतिक विकास

(ग) राजनीति और सांस्कृतिक विकास

(घ) कलाकार और सांस्कृतिक विकास

v. अर्थनीति और राजनीति के अतिरिक्त सांस्कृतिक उत्थान की ओर ध्यान देना भी आवश्यक है क्योंकि–

(क) संस्कृति ही देश को महान बनाती है

(ख) संस्कृति के विकास में ही देश का विकास है

(ग) ये तीनों परस्पर संबंधित हैं

(घ) सभी उत्तर सही हैं

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

अंबर बने सुखों की चादर, धरती बने बिछौना।
मिट्टी से सोना उपजाओ, इस मिट्टी से सोना।।
यह मिट्टी जगती की जननी,
इसको करो प्रणाम्।
कर्मयोग के साधन बनना,
ही सेवा का काम।।
हाली उठा हाथ से हल को, बीज प्रेम के बोना।।
चना, मटर, जौ, धान, बाजरा,
और गेहूँ की बाली।
मिट्टी से सोना बन जाती,
भर–भर देती थाली।।
दूध–दही पी–पी मुस्काए, मेरा श्याम सलोना।।
हीरा, मोती, लाल, बहादुर
कह–कह तुम्हें पुकारें।
खुशहाली हर घर में लाए,
बिगड़ी दशा सुधारें।।

i. अंबर किसकी चादर बने?

(क) दुखों (ख) दास्तानों

(ग) भावनाओं (घ) सुखों

ii. यह मिट्टी किसकी जननी है?

(क) जगती (ख) माता

(ग) पिता (घ) पुत्र

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. .... के साधक बनना—पंक्ति की पूर्ति सही—सही शब्द से कीजिए—

(क) हठयोग (ख) भक्तियोग

(ग) ज्ञानयोग (घ) कर्मयोग

iv. श्याम सलोना क्या—क्या पीकर मुस्कराता है?

(क) लस्सी (ख) शरबत

(ग) दही (घ) दूध—दही

v. खुशहाली हर घर में लाए, बिगड़ी दशा.........।

(क) सुधारें (ख) सँवारें

(ग) गाड़ें (घ) फोड़ें

अथवा

खेत की धरती बने न बंजर, चले न जादू—टोना।।
दुकिया दादी, अन्नो बेटी,
झूम—झूम कर गाएँ,
पकी फसल को डसने वाले,
सफल नहीं हो पाएँ।।
'सत्यमेव जयते' बन—बनके, खाएँ भर—भर दोना।।
सुखुवा, दुखुवा, गंगू, मंगू,
खुद ही जोते—बोएँ।
अपनी फसल आप ही काटें,
और न ज़्यादा रोएँ।।
जो खोया सो खोया भइया, वक्त नहीं अब खोना।।
प्रगति पथ पर निर्माणों के,
नव स्वर संधानों।
समता की सुरसरि के,
सुख को भागीरथ जानो।।
स्वर्ग उतर आए धरती पर, चमके कोना—कोना।
मिट्टी से सोना उपजओ इस मिट्टी से सोना।।

i. सफल कौन नहीं हो सकता?

(क) पकी फसल को डसने वाले

(ख) पकी फसल बोने वाला

(ग) पकी फसल रखने वाला

(घ) पकी फसल पकाने वाला

ii. हमें .... नहीं खोना चाहिए— काव्यांश के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—

(क) वक्त (ख) धन

(ग) अन्न (घ) खाना

iii. सुख को क्या जानना है?

(क) भागीरथ (ख) कावेरी

(ग) ताप्ती (घ) नर्मदा

iv. कोना—कोना कब चमकेगा?

(क) जब धरती पर स्वर्ग उतरेगा

(ख) जब धरती पर नर्क उतरेगा

(ग) जब धरती पर कलयुग उतरेगा

(घ) जब धरती पर भ्रष्टाचार होगा

v. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है?

(क) कवि ने मिट्टी में चाँदी उपजाने का संदेश दिया है

(ख) कवि ने मिट्टी से सोना उपजाने का संदेश दिया है

(ग) कवि ने मिट्टी से अनाज उपजाने का संदेश दिया है

(घ) कवि ने मिट्टी से अन्न उपजाने का संदेश दिया है

खण्ड—ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. संज्ञा उपवाक्य है—

(क) माँ ने कहा कि बेटा कभी झूठ मत बोलना।

(ख) जब सूर्य निकला तब मैं सो रहा था।

(ग) मैंने तुम्हें बुलाया तुम नहीं आए।

(घ) आज वर्षा होगी।

ii. भाव को पूर्णतः व्यक्त करने में समर्थ, सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह कहलाता है—

(क) शब्द (ख) वाच्य

(ग) वाक्य (घ) पद

iii. ज्योतिषी कहता है कि मैं सबका भविष्य जानता हूँ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है—

(क) मिश्र वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

iv. निम्न में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए—

(क) मालिक आया और घोड़ा हिनहिनाने लगा

(ख) मालिक के आने पर घोड़ा हिनहिनाने लगा

(ग) बिल का भुगतान न करने पर तुम्हें माल वापिस करना होगा

(घ) यदि पढ़ोगे तो पास हो जाओगे

v. "स्याही सूख गई और मैं लिख नहीं सका।" संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए—

(क) स्याही सूखते ही मैं लिख न सका।

(ख) स्याही सूखी और मैं लिख न सका।

(ग) स्याही सूख जाने पर मैं लिख न सका।

(घ) स्याही सूख गई इसलिए मैं लिख न सका।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. निम्नलिखित वाक्य से कर्तृवाच्य वाक्य बनाइए–
मुझसे खत नहीं लिखा गया।
(क) मैंने खत नहीं लिखा।
(ख) मैंने खत नहीं लिखा था।
(ग) मैं खत नहीं लिखता।
(घ) मै खत नहीं लिख सकता।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटिए–
(क) लड़कों के द्वारा तोड़फोड़ करवाई गई।
(ख) मालती ने खाना खाया।
(ग) लड़की से सोया नहीं गया।
(घ) इनमें से कोई नहीं

iii. 'आपको सूचित किया जाता है।' इस वाक्य में वाच्य है–
(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य
(ग) भाववाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

iv. मुझसे नहीं चला जाता। इस वाक्य में वाच्य है–
(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य
(ग) कर्तृवाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

v. हम रातभर कैसे जागेंगे? इस वाक्य का भाववाच्य में परिवर्तित सही विकल्प होगा–
(क) हमसे रातभर कैसे जागा जाएगा?
(ख) रातभर जागेंगे हम कैसे?
(ग) हम रातभर किस प्रकार जागेंगे?
(घ) इनमें से कोई नहीं।

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. कोई आया है। इस वाक्य में रेखांकित पद है–
(क) संज्ञा
(ख) सर्वनाम
(ग) विशेषण
(घ) क्रिया

ii. यह घड़ी मेरी है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, पुल्लिग।
(ख) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग।
(ग) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग।
(घ) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिग।

iii. मीरा मंदिर में रहती है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक।

iv. वाह! कितना सुंदर उपवन हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षबोधक
(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक, आश्चर्यबोधक
(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक, व्यंग्यबोधक
(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रश्नबोधक

v. कितने सुगंधित फूल हैं! इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिग, 'फूल' विशेष्य।
(ख) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, पुल्लिग, 'फूल' विशेष्य।
(ग) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य।
(घ) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. अटपटी उलझी लताएं
डालियों को खींच लायें,
पैर को पकड़े अचानक,
प्राण को कस लें, कपाएँ,
साँप सी काली लताएं।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?
(क) वीभत्स रस (ख) करुण रस
(ग) रौद्र रस (घ) अद्भुत रस

ii. आलंबन विभाव होता है?
(क) स्थायी भावों को जागृत करने वाला
(ख) स्थायी भावों को उद्दीप्त करने वाला
(ग) स्थायी भावों का आश्रय
(घ) स्थायी भावों का विषय

iii. यदि राम के मन में सीता के प्रति रति का भाव जगता है तो यहाँ आश्रय कौन कहलाएगा?
(क) सीता (ख) राम
(ग) राम का मन (घ) सीता की चेष्टाएँ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iv. किस रस का स्थायी भाव 'भय' है?

(क) वीर रस (ख) भयानक रस

(ग) रौद्र रस (घ) वीभत्स रस

v. प्राण तत्व किसे माना गया है?

(क) अनुभाव को (ख) विभाव को

(ग) रस को (घ) रस के कारण को

खण्ड–ग

पाठ्य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

किंतु, खेतीबाड़ी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे–साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को साहब मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामख्वाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी–कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कौतूहल होता। कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे, लेकिन उनकी सब चीज साहब की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते–जो उनके घर से चार कोस दूर पर था–एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में भेंट रूप रख लिया जाकर प्रसाद रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते।

i. भगत अपनी हर चीज का मालिक किसे मानते थे?

(क) परिवार को

(ख) भगवान को

(ग) स्वयं को

(घ) कबीरदास को

ii. भगत किसके आदेशों पर चलते थे?

(क) पत्नी के

(ख) भगवान के

(ग) बच्चों के

(घ) कबीरदास के

iii. भगत में कौन से गुण विद्यमान थे?

(क) सत्य बोलना

(ख) स्पष्ट वादिता

(ग) झगड़ा न करना

(घ) उपर्युक्त सभी

iv. गद्यांश में साधु की परिभाषा में खरा कौन था?

(क) कबीरदास

(ख) साहब

(ग) बालगोबिन भगत

(घ) उपर्युक्त सभी

v. भगत अन्न का क्या करते थे?

(क) बेच देते थे

(ख) दरबार में ले जाते थे

(ग) घर ले आते थे

(घ) खा जाते थे।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. कहानीकार स्वयं प्रकाश जी का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(क) सन् 1947 में इंदौर, मध्य प्रदेश में

(ख) सन् 1948 में जबलपुर, मध्य प्रदेश में

(ग) सन् 1947 में भोपाल, मध्य प्रदेश में

(घ) सन् 1948 में कटनी, मध्य प्रदेश में

ii. चश्मे वाले की देशभक्ति के प्रति नतमस्तक कौन था?

(क) पान वाला

(ख) हालदार साहब

(ग) कैप्टन

(घ) पूरा देश

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि–सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
सूरदास अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।।

i. उद्धव गोपियों को कौनसा संदेश देने आए थे?

(क) कर्म

(ख) योग

(ग) प्रेम

(घ) विरह

ii. गोपियाँ किससे गुहार लगाना चाहती थी?

(क) उद्धव से

(ख) कृष्ण के माता–पिता से

(ग) कृष्ण से

(घ) राधा से

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. उद्धव द्वारा लाये गए संदेशों से गोपियों की व्यथा क्या हुई?

(क) बढ़ गई

(ख) घट गई

(ग) समाप्त हो गई

(घ) कुछ अंतर नहीं पड़ा

iv. किसके मन की बात मन में ही रह गई?

(क) उद्धव के

(ख) राधा के

(ग) गोपियों के

(घ) कृष्ण के

v. कृष्ण ने उद्धव को किस भक्ति धारा का संदेश देकर भेजा था?

(क) सगुण ईश्वर

(ख) साकार ईश्वर

(ग) निर्गुण ईश्वर

(घ) कृष्ण

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. राम लक्ष्मण किस वंश से संबंधित है?

(क) सूर्य वंश से

(ख) चन्द्र वंश से

(ग) अग्नि वंश से

(घ) इनमें से कोई नहीं

ii. महिदेव का अर्थ है?

(क) राजा

(ख) ब्राह्मण

(ग) इन्द्र

(घ) शिवजी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2 (2021–22)

हिन्दी – अ (कोड – 002)

कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

स्वच्छ विचार करने से प्रत्येक परिस्थिति में विचार की ऊर्जा का क्रमशः जागरण होता है और जब विचार जागता है तो जीवन में एक नया क्षेत्र उपलब्ध हो जाता है यही वह तीसरा नेत्र है जो हमारे दो चर्म चक्षुओं की भाँति साधारण नहीं वरन् किसी भी वस्तु समस्या और उसके आरपार देखने की दूरदृष्टि रखता है, जो विचार रूपी नेत्र को उपलब्ध नहीं कर पाते वे जीवन का काम दो चर्म नेत्रों से चलाते जाते हैं। इस तीसरे आंतरिक नेत्र के अभाव में ऐसे लोगों को जीवन में जो शुभ है उसके दर्शन नहीं हो पाते, उनका जीवन यांत्रिक रूप से चलता है जिसका न तो कोई लक्ष्य होता है और न ही कोई उद्देश्य किंतु जिसको विचाररूपी नेत्र उपलब्ध हो गया है और विवेक की ज्योति मिल गई है उसका आचार अपने आप उसका अनुचर बन जाता है। किसी भी परिस्थिति में वह कर्त्तव्य मार्ग से भटकता नहीं है। इस विवेकदर्शी मनुष्य की सदाचार के सिवा कोई गति नहीं रहती विचारशक्ति के समक्ष विकल्प नहीं होते उसके पास तो मात्र शुभ ही रह जाता है।

i. विभिन्न परिस्थितियों में विचार–ऊर्जा किस प्रकार जागृत होती है?
(क) तीसरे नेत्र के खुलने से
(ख) मनुष्य के विचार करने से
(ग) मनुष्य की विवेक शक्ति से
(घ) सद्विचारों का अनुसरण करने से
उत्तर : (ख) मनुष्य के विचार करने से

ii. विचाररूपी नेत्र को असाधारण मानने का कारण यह है कि–
(क) इससे जीवन में शुभ के दर्शन होते हैं
(ख) यह चर्म–चक्षुओं की भाँति साधारण नहीं होता
(ग) इससे किसी समस्या के आर–पार देखने की दूरदृष्टि प्राप्त होती है
(घ) इसकी प्राप्ति से मानव जीवन उद्देश्यपूर्ण बन जाता है
उत्तर : (ग) इससे किसी समस्या के आर–पार देखने की दूरदृष्टि प्राप्त होती है

iii. विचारशून्य मानव के जीवन को यंत्रवत जीवन इसलिए कहा जाता है, क्योंकि–
(क) उसके पास तीसरे नेत्र का अभाव होता है
(ख) वह किसी वस्तु के आरपार देखने में असमर्थ होता है
(ग) वह जीवन में शुभ के दर्शन से वंचित रहता है
(घ) वह उद्देश्यहीन जीवन यापन करता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : (ग) वह जीवन में शुभ के दर्शन से वंचित रहता है

iv. आचार किसका अनुचर बन जाता है?

(क) विचारवान मनुष्य का

(ख) असाधारण मानव का

(ग) सोद्देश्य जीवन का

(घ) शुभदर्शी व्यक्ति का

उत्तर : (क) विचारवान मनुष्य का

v. विवेकदर्शी के पास मात्र शुभ ही रहता है, क्योंकि–

(क) उसके समक्ष संकल्प नहीं होता

(ख) उसके समक्ष विकल्प नहीं होता

(ग) आचार उसका अनुचर होता है

(घ) कर्त्तव्य उसका सहचर होता है

उत्तर : (ख) उसके समक्ष विकल्प नहीं होता

अथवा

समाज को यदि एक वृक्ष मान लिया जाए तो अर्थनीति उसकी जड़ है, राजनीति आधार है, विज्ञान आदि उसके तने हैं और संस्कृति उसके फूल। इसलिए नए समाज की अर्थनीति या राजनीति आदि पर ही हमें ध्यान नहीं देना चाहिए बल्कि उसकी संस्कृति की ओर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए क्योंकि मूल और तने की सार्थकता तो उसके फूल में ही है। दूसरे इन तीनों का संबंध इतना गहरा है कि आन इन्हें अलग–अलग कर भी नहीं सकते। नई अर्थनीति और राजनीति के साथ एक नई संस्कृति का विकास हमारी आँखों के सामने हो रहा है भले ही हम उसे देख न पाएँ या उसकी ओर से आँखें मूँद लें। अन्य क्षेत्रों में हमारी पंचवर्षीय योजनाएँ आ रही है किंतु क्या यह आश्चर्य की बात नहीं है कि संस्कृति के विकास में प्रगति देने के लिए एक भी व्यापक योजना हमारे सामने नहीं आ रही। जब राजनीति और अर्थशास्त्र दूसरी बड़ी–बड़ी योजनाओं में लगे हैं ओ कलाकारो! चलो हम अपनी परिमित शक्ति से इस क्षेत्र में कुछ काम कर दिखाएँ। आखिर यह क्षेत्र भी तो हमारा ही है। गुलाब की खेती के माली तो हम ही हैं। फूलों के संसार के भौंरे तो हम ही हैं। हम नहीं करेंगे, तो करेगा कौन?

i. समाज, राजनीति, अर्थनीति, विज्ञान और संस्कृति क्रमशः किसके प्रतीक हैं?

(क) वृक्ष मूल, आधार, फूल और तने के

(ख) वृक्ष, आधार, जड़, तने और फूल के

(ग) फूल, वृक्ष, मूल, आधार और तने के

(घ) जड़, आधार, फूल, वृक्ष और तने के

उत्तर : (ख) वृक्ष, आधार, जड़, तने और फूल के

ii. हमारा विकास अधूरा क्यों है?

(क) सांस्कृतिक उत्थान नहीं होने के कारण

(ख) राजनैतिक उन्नति नहीं होने के कारण

(ग) भौतिक विकास न होने के कारण

(घ) आध्यात्मिक विकास न होने के कारण

उत्तर : (क) सांस्कृतिक उत्थान नहीं होने के कारण

iii. 'गुलाब की खेती' से लेखक का क्या आशय है?

(क) सांस्कृतिक अभ्युत्थान

(ख) औद्योगिक विकास

(ग) सौंदर्य का विकास

(घ) सुंदर उद्यानों का विनिर्माण

उत्तर : (क) सांस्कृतिक अभ्युत्थान

iv. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा?

(क) समाजः एक वृक्ष

(ख) पंचवर्षीय योजनाएँ और सांस्कृतिक विकास

(ग) राजनीति और सांस्कृतिक विकास

(घ) कलाकार और सांस्कृतिक विकास

उत्तर : (घ) कलाकार और सांस्कृतिक विकास

v. अर्थनीति और राजनीति के अतिरिक्त सांस्कृतिक उत्थान की ओर ध्यान देना भी आवश्यक है क्योंकि–

(क) संस्कृति ही देश को महान बनाती है

(ख) संस्कृति के विकास में ही देश का विकास है

(ग) ये तीनों परस्पर संबंधित हैं

(घ) सभी उत्तर सही हैं

उत्तर : (ग) ये तीनों परस्पर संबंधित हैं

2. **नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$**

अंबर बने सुखों की चादर, धरती बने बिछौना।
मिट्टी से सोना उपजाओ, इस मिट्टी से सोना।।
यह मिट्टी जगती की जननी,
इसको करो प्रणाम्।
कर्मयोग के साधन बनना,
ही सेवा का काम।।
हाली उठा हाथ से हल को, बीज प्रेम के बोना।।
चना, मटर, जौ, धान, बाजरा,
और गेहूँ की बाली।
मिट्टी से सोना बन जाती,
भर–भर देती थाली।।
दूध–दही पी–पी मुस्काए, मेरा श्याम सलोना।।
हीरा, मोती, लाल, बहादुर
कह–कह तुम्हें पुकारें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

खुशहाली हर घर में लाए,
बिगड़ी दशा सुधारें।।

i. अंबर किसकी चादर बने?

(क) दुखों (ख) दास्तानों

(ग) भावनाओं (घ) सुखों

उत्तर : (घ) सुखों

ii. यह मिट्टी किसकी जननी है?

(क) जगती (ख) माता

(ग) पिता (घ) पुत्र

उत्तर : (क) जगती

iii. .... के साधक बनना—पंक्ति की पूर्ति सही—सही शब्द से कीजिए—

(क) हठयोग (ख) भक्तियोग

(ग) ज्ञानयोग (घ) कर्मयोग

उत्तर : (घ) कर्मयोग

iv. श्याम सलोना क्या—क्या पीकर मुस्कराता है?

(क) लस्सी (ख) शरबत

(ग) दही (घ) दूध—दही

उत्तर : (घ) दूध—दही

v. खुशहाली हर घर में लाए, बिगड़ी दशा.........।

(क) सुधारें (ख) सँवारें

(ग) गाड़ें (घ) फोड़ें

उत्तर : (क) सुधारें

अथवा

खेत की धरती बने न बंजर, चले न जादू—टोना।।
दुकिया दादी, अन्नो बेटी,
झूम—झूम कर गाएँ,
पकी फसल को डसने वाले,
सफल नहीं हो पाएँ।।
'सत्यमेव जयते' बन—बनके, खाएँ भर—भर दोना।।
सुखवा, दुखुवा, गंगू, मंगू,
खुद ही जोते—बोएँ।
अपनी फसल आप ही काटें,
और न ज़्यादा रोएँ।।
जो खोया सो खोया भइया, वक्त नहीं अब खोना।।
प्रगति पथ पर निर्माणों के,
नव स्वर संधानों।
समता की सुरसरि के,
सुख को भागीरथ जानो।।
स्वर्ग उतर आए धरती पर, चमके कोना—कोना।
मिट्टी से सोना उपजओ इस मिट्टी से सोना।।

i. सफल कौन नहीं हो सकता?

(क) पकी फसल को डसने वाले

(ख) पकी फसल बोने वाला

(ग) पकी फसल रखने वाला

(घ) पकी फसल पकाने वाला

उत्तर : (क) पकी फसल को डसने वाले

ii. हमें .... नहीं खोना चाहिए— काव्यांश के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—

(क) वक्त (ख) धन

(ग) अन्न (घ) खाना

उत्तर : (क) वक्त

iii. सुख को क्या जानना है?

(क) भागीरथ (ख) कावेरी

(ग) ताप्ती (घ) नर्मदा

उत्तर : (क) भागीरथ

iv. कोना—कोना कब चमकेगा?

(क) जब धरती पर स्वर्ग उतरेगा

(ख) जब धरती पर नर्क उतरेगा

(ग) जब धरती पर कलयुग उतरेगा

(घ) जब धरती पर भ्रष्टाचार होगा

उत्तर : (क) जब धरती पर स्वर्ग उतरेगा

v. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है?

(क) कवि ने मिट्टी में चाँदी उपजाने का संदेश दिया है

(ख) कवि ने मिट्टी से सोना उपजाने का संदेश दिया है

(ग) कवि ने मिट्टी से अनाज उपजाने का संदेश दिया है

(घ) कवि ने मिट्टी से अन्न उपजाने का संदेश दिया है

उत्तर : (ख) कवि ने मिट्टी से सोना उपजाने का संदेश दिया है

खण्ड—ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. संज्ञा उपवाक्य है—

(क) माँ ने कहा कि बेटा कभी झूठ मत बोलना।

(ख) जब सूर्य निकला तब मैं सो रहा था।

(ग) मैंने तुम्हें बुलाया तुम नहीं आए।

(घ) आज वर्षा होगी।

उत्तर : (क) माँ ने कहा कि बेटा कभी झूठ मत बोलना।

ii. भाव को पूर्णतः व्यक्त करने में समर्थ, सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह कहलाता है—

(क) शब्द (ख) वाच्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) वाक्य (घ) पद

उत्तर : (ग) वाक्य

iii. ज्योतिषी कहता है कि मैं सबका भविष्य जानता हूँ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–

(क) मिश्र वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) मिश्र वाक्य

iv. निम्न में संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए–

(क) मालिक आया और घोड़ा हिनहिनाने लगा

(ख) मालिक के आने पर घोड़ा हिनहिनाने लगा

(ग) बिल का भुगतान न करने पर तुम्हें माल वापिस करना होगा

(घ) यदि पढ़ोगे तो पास हो जाओगे

उत्तर : (क) मालिक आया और घोड़ा हिनहिनाने लगा

v. "स्याही सूख गई और मैं लिख नहीं सका।" संयुक्त वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए–

(क) स्याही सूखते ही मैं लिख न सका।

(ख) स्याही सूखी और मैं लिख न सका।

(ग) स्याही सूख जाने पर मैं लिख न सका।

(घ) स्याही सूख गई इसलिए मैं लिख न सका।

उत्तर : (ग) स्याही सूख जाने पर मैं लिख न सका।

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. निम्नलिखित वाक्य से कर्तृवाच्य वाक्य बनाइए– मुझसे खत नहीं लिखा गया।

(क) मैंने खत नहीं लिखा।

(ख) मैंने खत नहीं लिखा था।

(ग) मैं खत नहीं लिखता।

(घ) मै खत नहीं लिख सकता।

उत्तर : (क) मैंने खत नहीं लिखा।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य वाला वाक्य छाँटिए–

(क) लड़कों के द्वारा तोड़फोड़ करवाई गई।

(ख) मालती ने खाना खाया।

(ग) लड़की से सोया नहीं गया।

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (ग) लड़की से सोया नहीं गया।

iii. 'आपको सूचित किया जाता है।' इस वाक्य में वाच्य है–

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (ख) कर्मवाच्य

iv. मुझसे नहीं चला जाता। इस वाक्य में वाच्य है–

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (ख) भाववाच्य

v. हम रातभर कैसे जागेंगे? इस वाक्य का भाववाच्य में परिवर्तित सही विकल्प होगा–

(क) हमसे रातभर कैसे जागा जाएगा?

(ख) रातभर जागेंगे हम कैसे?

(ग) हम रातभर किस प्रकार जागेंगे?

(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर : (क) हमसे रातभर कैसे जागा जाएगा?

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. <u>कोई</u> आया है। इस वाक्य में रेखांकित पद है–

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण

(घ) क्रिया

उत्तर : (ख) सर्वनाम

ii. <u>यह</u> घड़ी मेरी है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, पुल्लिंग।

(ख) सर्वनाम, निश्चयवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग।

(घ) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, पुल्लिंग।

उत्तर : (ग) विशेषण, सार्वनामिक, एकवचन, स्त्रीलिंग।

iii. <u>मीरा</u> मंदिर में रहती है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक।

उत्तर : (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

iv. <u>वाह!</u> कितना सुंदर उपवन हैं। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षबोधक

(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक, आश्चर्यबोधक

(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक, व्यंग्यबोधक

(घ) अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रश्नबोधक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर : (क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षबोधक

v. कितने सुगंधित फूल हैं! इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य।

(ख) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, 'फूल' विशेष्य।

(ग) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य।

(घ) विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'फूल' विशेष्य।

उत्तर : (ख) विशेषण, गुणवाचक, बहुवचन, पंल्लिंग, 'फूल' विशेष्य।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. अटपटी उलझी लताएं
डालियों को खींच लायें,
पैर को पकड़े अचानक,
प्राण को कस लें, कपाएँ,
साँप सी काली लताएं।

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?

(क) वीभत्स रस (ख) करुण रस

(ग) रौद्र रस (घ) अद्भुत रस

उत्तर : (क) वीभत्स रस

ii. आलंबन विभाव होता है?

(क) स्थायी भावों को जागृत करने वाला

(ख) स्थायी भावों को उद्दीप्त करने वाला

(ग) स्थायी भावों का आश्रय

(घ) स्थायी भावों का विषय

उत्तर : (क) स्थायी भावों को जागृत करने वाला

iii. यदि राम के मन में सीता के प्रति रति का भाव जगता है तो यहाँ आश्रय कौन कहलाएगा?

(क) सीता (ख) राम

(ग) राम का मन (घ) सीता की चेष्टाएँ

उत्तर : (ख) राम

iv. किस रस का स्थायी भाव 'भय' है?

(क) वीर रस (ख) भयानक रस

(ग) रौद्र रस (घ) वीभत्स रस

उत्तर : (ख) भयानक रस

v. प्राण तत्व किसे माना गया है?

(क) अनुभाव को (ख) विभाव को

(ग) रस को (घ) रस के कारण को

उत्तर : (ग) रस को

खण्ड–ग

पाठ्य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

किंतु, खेतीबाड़ी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे–साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को साहब मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखवाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी–कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कौतूहल होता। कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे, लेकिन उनकी सब चीज साहब की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते–जो उनके घर से चार कोस दूर पर था–एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में भेंट रूप रख लिया जाकर प्रसाद रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते।

i. भगत अपनी हर चीज का मालिक किसे मानते थे?

(क) परिवार को (ख) भगवान को

(ग) स्वयं को (घ) कबीरदास को

उत्तर : (घ) कबीरदास को

ii. भगत किसके आदेशों पर चलते थे?

(क) पत्नी के (ख) भगवान के

(ग) बच्चों के (घ) कबीरदास के

उत्तर : (घ) कबीरदास के

iii. भगत में कौन से गुण विद्यमान थे?

(क) सत्य बोलना (ख) स्पष्ट वादिता

(ग) झगड़ा न करना (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (घ) उपर्युक्त सभी

iv. गद्यांश में साधु की परिभाषा में खरा कौन था?

(क) कबीरदास

(ख) साहब

(ग) बालगोबिन भगत

(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (ग) बालगोबिन भगत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

v. भगत अन्न का क्या करते थे?

(क) बेच देते थे

(ख) दरबार में ले जाते थे

(ग) घर ले आते थे

(घ) खा जाते थे।

उत्तर : (ख) दरबार में ले जाते थे

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. कहानीकार स्वयं प्रकाश जी का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(क) सन् 1947 में इंदौर, मध्य प्रदेश में

(ख) सन् 1948 में जबलपुर, मध्य प्रदेश में

(ग) सन् 1947 में भोपाल, मध्य प्रदेश में

(घ) सन् 1948 में कटनी, मध्य प्रदेश में

उत्तर : (क) सन् 1947 में इंदौर, मध्य प्रदेश में

ii. चश्में वाले की देशभक्ति के प्रति नतमस्तक कौन था?

(क) पान वाला (ख) हालदार साहब

(ग) कैप्टन (घ) पूरा देश

उत्तर : (ख) हालदार साहब

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि–सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
सूरदास अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।।

i. उद्धव गोपियों को कौनसा संदेश देने आए थे?

(क) कर्म (ख) योग

(ग) प्रेम (घ) विरह

उत्तर : (ख) योग

ii. गोपियाँ किससे गुहार लगाना चाहती थी?

(क) उद्धव से

(ख) कृष्ण के माता–पिता से

(ग) कृष्ण से

(घ) राधा से

उत्तर : (ग) कृष्ण से

iii. उद्धव द्वारा लाये गए संदेशों से गोपियों की व्यथा क्या हुई?

(क) बढ़ गई (ख) घट गई

(ग) समाप्त हो गई (घ) कुछ अंतर नहीं पड़ा

उत्तर : (क) बढ़ गई

iv. किसके मन की बात मन में ही रह गई?

(क) उद्धव के

(ख) राधा के

(ग) गोपियों के

(घ) कृष्ण के

उत्तर : (ग) गोपियों के

v. कृष्ण ने उद्धव को किस भक्ति धारा का संदेश देकर भेजा था?

(क) सगुण ईश्वर (ख) साकार ईश्वर

(ग) निर्गुण ईश्वर (घ) कृष्ण

उत्तर : (ग) निर्गुण ईश्वर

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. राम लक्ष्मण किस वंश से संबंधित है?

(क) सूर्य वंश से (ख) चन्द्र वंश से

(ग) अग्नि वंश से (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (क) सूर्य वंश से

ii. महिदेव का अर्थ है?

(क) राजा (ख) ब्राह्मण

(ग) इन्द्र (घ) शिवजी

उत्तर : (ख) ब्राह्मण

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in